MATTERS RAISED WITH PERMISSION

Completion Of Two Years Of UPA Government In Office
(Contd.)

श्री अमर सिंह (उत्तर प्रदेश) **:** बहुत-बहुत धन्यवाद सभापति महोदय, मैं सदन के सामने आज यूपीए की सरकार के दो वर्ष होने के उपलक्ष में बहुत विनम्रता और आदर के साथ कुछ कटु सत्य रखना चाहता हूं।

श्री सभापति : सत्य ही रख दीजिए, कटु सत्य नहीं।

श्री अमर सिंह : चलिए, सत्य ही रखता हूं किन्तु सत्य में कटु होता हैं। यहां पर परम आदरणीय नटवर सिंह जी विराजमान हैं। मैं यह कहना चाहता हूं कि मैंने समाचार पत्रों में उनके बयान पढ़े हैं और उस बयान में उन्होने कहा हैं, मैं उन्हीं को उद्धृत कर रहा हूं, कि दो वाउचर वोल्कर मामले में आए हैं- एक वाउचर कांग्रेस पार्टी के लिए और एक वाउचर तथाकथित रूप से उनके विरूद्ध। पाठक समिति का गठन हुआ और इसी सदन में हमने पाठक समिति के गठन का समर्थन किया। जब जेपीसी की मांग आयी तो हमने कहा कि पाठक समिति जब जांच समिति बन गयी हैं तो जीपीसी की मांग करना बेकार हैं। लेकिन पाठक समिति को बने 6 मास से अधिक समय हो गया हैं और 6 मास में पाठक समिति ने अपनी कोई रिपोर्ट नहीं दी हैं। सुनने में आया हैं कि विदेश भ्रमण का काम जारी हैं और सरकारी सुविधाएं भी उनको आज तक मुहैया नहीं हुई हैं। पाठक समिति बनी रहेगी, उसको एक्सटेंशन मिलती रहेगी और तथ्य सामने नहीं आएगा। मैं बड़ी विनम्रता से जानना चाहता हूं कि what is good for Peter should be good for Paul. अगर नटवर सिंह जी की जांच हो रही हैं तो निश्चित रूप से हो, लेकिन जो दूसरा वाउचर कांग्रेस के बारे मैं हैं, जिसके बारे में उद्घोषणा की गयी हैं, जिसका नाम सामने आया हैं, उस कांग्रेस के वाउचर की क्या जांच हो रही हैं? दूसरी चीज यह कहना चाहता हूं कि दो साल के इसी अंतराल के मध्य क्वोत्रोची की मामला भी आया। क्वोत्रोची के मामले में एडिशनल सॉलिसिटर जनरल गए, उन्होने पूरी रकम निकलवाई, सीबीआई का पहले कुछ बयान आया, बाद में कुछ और बयान आया। पारदर्शिता सार्वजानिक जीवन का एक अंग होनी चाहिए। पूरे क्वोत्रोची विवाद में बड़ी विवादित और भ्रामक स्थिति है तथा एडिशनल सॉलिसिटर जनरल के स्तर के व्यक्ति द्वारा जो लाया गया, उससे सरकार की छवि धूमिल हुई। हमारे मित्र, अभी हाल के सर्वेक्षण में जिन्हें प्रफुल्ल पटेल जी के बाद सर्वाधिक नम्बर मिले हैं। माननीय चिदम्बरम जी यहां बैठे है। मैं बेहद पीड़ा के साथ कहना चाहता हूं, बिना कोई आरोप लगाए कि “बाल्को” के 10 करोड़ 81 लाख शेयर,जिनका वेल्यूएशन 77 रूपए प्रति शेयर के हिसाब से हुआ और जिसका बाजार का दाम एक हजार प्रति शेयर हैं। यदि हम हिसाब लगाएं तो नौ हजार करोड़ रूपए का घाटा हुआ हैं। जो सरकारी संस्थाएं इसका विश्लेषण करती

हैं उन्होने भी इसके बारे में कहा हैं कि नौ हजार करोड़ रूपए का घाटा हुआ है। मैं कोई व्यक्तिगत टिप्पणी नहीं करना चाहता हूं। चिदम्बरम जी हमारे मित्र हैं, संबंधित कम्पनी से किसका संबंध हैं, यह कानून के अंतर्गत चीज हैं कि कौन कहां, कब और किस रूप में रहता हैं। इसलिए इस पर कोई टिप्पणी न करते हुए, जो पूरे देश को यह चिंता हैं कि नौ हजार करोड़ रूपए का जो घाटा हुआ हैं, मैं उसके बारे में जानना चाहता हूं कि और दो साल की उपलब्धि में क्या यह भी एक महान उपलब्धि हैं? एक और बात कहना चाहूंगा कि फूड फॉर वर्क, इस पूरे मामले में सद्दाम हुसैन को सबसे ज्यादा पैसे जिस कम्पनी ने दिए, वह आस्ट्रेलियन फूड फॉर आयल है । उसमें सबसे ज्यादा पैसे जिस कम्पनी ने दिये है उसका नाम है आस्ट्रेलियन व्हीट बोर्ड। आज के अंग्रेजी के एक समाचार पत्र में यह हैं कि पुरानी सरकार, जिससे हमरी सरकार भी शामिल थीं, उसके काल में मिलियन्स ऑफ डॉलर्स रूपए की रिश्वत दी गई हैं, 2.5 मिलियन की रिश्वत दी गई हैं। यह 2.5 मिलियन की रिश्वत, जो आज एक समाचार पत्र की प्रमुख सूचना हैं, उसी आस्ट्रलियन व्हीट बोर्ड को, जिसका भोजन वहां पर जानवर भी नहीं खा सकते और हमारे देशी किसानों का 600 रूपये मिल रहा हैं और एक हजार रूपये का दाम से, हम इस घोटाले वाली कम्पनी से गेहूं इम्पोर्ट कर रहे हैं, यह भी हमारी दो साल की सरकार की उपलब्धि हैं, इसके अलावा मैं यह भी कहना चाहूंगा कि नेवी वार रूम लीक, जिसमें नौ सैना अध्यक्ष के परिवार के निकटतम लोगों का नाम आया हैं, स्कॉर्पियन डील, यह अपने आप में एक बड़े भारी कीर्तिमान और उपलब्धि की बात है। इसके बारे में जितना कम कहा जाए, सारे के सारे फैक्य, टेलीप्रिंटर के पूरे कागजात,कई पात्रिकाओं में स्पष्ट रूप से उल्लिखित हुए और छापे। ये सारे मामले ऐसे हैं, जो दो साल की UPA सरकार के ऊपर प्रश्न चिह्न लगाते हैं। हमारे बड़े आदरणीय नेता अर्जुन सिंह जी ने आरक्षण की बात उठाई हैं इस पर वामपंथी दलों और समाजवादी पार्टी के शुरू से ही एक निश्चित मत रहा हैं मैं यह पूछना चाहूंगा कि जो कैबिनेट की सामूहिक जिम्मेदारी की नीति हैं, क्या उसके परखचे नहीं उड़े? आपके ही मंत्रिमडल के सदस्य ने कुछ कहा, आपके केन्द्रीय नेतृत्व से सम्बद्ध knowledage commission के chairman सैम पिटरोड़ा ने इसके परखचे उडाए। सवाल यही नहीं हैं कि यह सुनियोजित हैं या आपके यहां विवादित हैं,विवाद हैं, लेकिन knowlwdge commission के chairman का किससे संबंध हैं, वे किस व्यक्ति के निकटतम माने जाते हैं और सैम पिटरोड का क्या महत्व हैं, क्या वह नाम सर्वविदित हैं, मैं यहां नाम नहीं लेना चाहता हूं। सुरेश पचौरी जी को मैंने वचन दिया हैं, उन्होने कहा है कि ऐसा कुछ मत कहिए जिससे उत्तेजना फैले। इसलिए मैं नाम नहीं लेना चाहता हूं पचौरी जी, लेकिन मैं इशारा करना चाहता हूं ...(**व्यवधान**)....

श्री सभापति : आपने पचौरी जी का नाम ले दिया हैं।

श्री अमर सिंह : और दूसरा, मैं यह पूछना चाहूंगा कि कैबिनेट की जो सामाजिक जिम्मेदारी हैं, एक तरफ माननीय अर्जुन सिंह ही कुछ कह रहे हैं और दूसरी तरफ आपके ही कैबिनेट स्तर

के मंत्री कुछ कह रहे हैं,मुंडेर-मुंडेर मतर् भिन्न। कभी फेज्ड इम्प्लीमेंटेशन की बात होती है, कभी टोटल इम्प्लीमेंटेशन की बात होती हैं, तो क्या यह सिर्फ उत्तर प्रदेश के आसन्न चुनावों को देखते हुए, पिछडे मतदाताओं को लुभाने की एक योजना हैं अथवा इसमें कुछ गंभीरता से विचार हैं? क्या यह भी आपको दो साल की महान उपलब्धियों का एक महान अंग हैं? मैं कामरेड वृदां कारत जी को भी धन्यवाद देना चाहूंगा कि इनकी वजह से आज सदन चल गया। हम लोगों ने यह तय किया था सदन नहीं चलने देंगे, लेकिन ये हमारी महत्वपूर्ण, योग्य पडौसिन हैं। इनका आदेश हुआ कि जो महत्वपूर्ण मुद्दे हैं, वे आज उठाओं। सभापति महोदय, मैं तो ज्यादा कुछ नहीं कहूंगा, लेकिन इतना कहूंगा कि जो सत्ता में बैठे सरकारी रौशनी से चकाचौध सत्ताधारी दल के लोग हैं, उनसे मेरा छोटा सा अनुरोध हैं, छोटी से विनती हैं, "अंधेरे में जो बैठे हैं, जरा उन पर भी नजर डाले, अरे ओ, रोशनी वालो। धन्यवाद।

श्री दिग्विजय सिंह (बिहार) **:** सभापति जी, जो सवाल अमर सिंह जी ने उठाया हैं ...(**व्यवधान**)... एक तरफ नटवर सिंह जी का नाम लिया गया और दूसरी तरफ अर्जुन सिंह जी का नाम लिया गया, सरकार को इस पर जरूर बोलना चाहिए। ...(**व्यवधान**)...

श्री रवि शंकर प्रसाद (बिहार) **:** सरकार को उत्तर देना चाहिए। ...(**व्यवधान**)...

श्री दिग्विजय सिंह : यह जो सवाल उन्होने उठाया हैं, इसका जरूर रेस्पौंस आना चाहिए।...(**व्यवधान**)...

श्री शाहिद सिद्दिकी (उत्तर प्रदेश) **:** ये देश की ....(**व्यवधान**).... लूट रहे हैं। ....(**व्यवधान**)...

† **شری شاہد صدیقی:** یہ دیش کی ...مداخلت... لوٹ رہے ہیں ...مداخلت...

श्री दिग्विजय सिंह : फाइनेंस मिनिस्टर का नाम लिया, अर्जुन सिंह जी का नाम लिया, दोनों मंत्रियों का नाम लिया गया, दोनों यहां बैठे हैं ....(**व्यवधान**).... नटवर सिंह जी भी बैठे हैं ...(**व्यवधान**)... भारत सरकार के दो मंत्रियों का नाम इन्होने लिया हैं, एक तो कैबिनेट की चुनौती पर लिया, दूसरा भ्रष्टाचार पर लिया हैं ...(**व्यवधान**)... इसका जवाब आना चाहिए ...(**व्यवधान**)...

श्री सभापति : आपका नाम तो नहीं लिया न ...(**व्यवधान**)...

SHRI RAVULA CHANDRA SEKAR REDDY; (Andhra Pradesh): Sir, the Government has failed miserably to control the prices. The

† []Transliteration in Urdu Script.

Government should respond to the allegations made. They have failed to contain the prices in the country. The Government should respond to the demand made in this House.

श्री रवि शंकर प्रसाद : सभापति जी, यह बहुत गंभीर विषय हैं ...(**व्यवधान**)...

श्री सभापति :मामले उठे हैं आपके खिलाफ तो नहीं उठा न ...(**व्यवधान**)...

श्री विक्रम वर्मा (मध्य प्रदेश) **:** सभापति जी, जब इस तरह किसी मंत्री के खिलाफ किसी प्रकार का allegation लगाया जाए और name किया जाए और वे उपस्थित हों, तो उन्हें खंड़े होकर respond करना चाहिए, कुछ तो बताना चाहिए ....(**व्यवधान**)...

श्री संतोष बागडोदिया (राजस्थान) **:** ऐसा कोई रूल नहीं हैं ...(**व्यवधान**)....यह मंत्री जी की मरजी हैं कि वे जवाब दें या न दें ...(**व्यवधान**)...

श्री सभापति : अगर वे बोलना चाहें, तो बोल सकते हैं ...(**व्यवधान**)...

श्री विक्रम वर्मा : सभापति जी, यदि कोई मिनिस्टर हाउस में present हैं और by name उन पर यदि कोई allegation लगाया जाता हैं, तो वे deny करें या respond करें ...(**व्यवधान**)... या तो यह माना जाए कि वे इस allegation को स्वीकार कर रहे हैं। यदि हाउस में मंत्री जी की उपस्थिति में denial नहीं हैं,तो क्या यह मान लिया जाए कि allegation सही हैं? क्या यह मान लिया जाएं? ...(**व्यवधान**)...

श्री शाहिद सिद्दिकी : खामोशी, रजामंदी की निशानी हैं ...(**व्यवधान**)..... इसका मतलब यह हैं कि आरोप सही हैं, यह मान लिया जाए।

†شری شاہد صدیقی: خاموشی، رضامندی کی نشانی ہے...مداخلت...اس کا مطلب یہ ہے کہ آروپ صحیح ہے، یہ مان لیا جائے؟

श्री दिग्विजय सिंह : सभापति जी, हमें आपका प्रोटेक्शन चाहिए ...(**व्यवधान**)...

श्री शाहिद सिद्दिकी : सभापति जी, गेहूं का घोटाला हैं, लेकिन किसान का पेट काटकर बाहर ...(**व्यवधान**)... और कमीशन खाया जा रहा हैं ....(**व्यवधान**)....

†شری شاہد صدیقی: سبھاپتی جی، گیہوں کا گھوٹالہ ہے، لیکن کسان کا پیٹ کاٹ کر باہر ...مداخلت... اور کمیشن کھایا جا رہا ہے...مداخلت...

†]Transliteration in Urdu Script.

श्री सभापति : आप लोग बैठ जाइए ...(**व्यवधान**)...

श्री संतोष बागडोदिया : अमर सिंह जी, यह क्या बात हैं ....(**व्यवधान**)... आप इन्हें चुप कराइए ....(**व्यवधान**)...

श्री अमर सिंह : बागडोदिया जी, मैं अकेला नहीं हूं ....(**व्यवधान**).... मैं अकेला नहीं हूं ...(**व्यवधान**)...

SHRI C. RAMACHANDRAIAH (Andhra Pradesh): Sir, majority of them are leaning towards corruption at the expense of the common man. *(Interruptions)*

श्री सभापति : आप बैठ जाइए, गवर्नमेंट को बोलना होगा,तो वे बोल लेंगे ...(**व्यवधान**)...आप लोग बैठिए ...(**व्यवधान**)...

श्री ललित किशोर चतुर्वेदी (राजस्थान) **:** मौन स्वीकृति लक्षणं। उन्होने स्वीकार कर लिया हैं ...(**व्यवधान**)...

MR. CHAIRMAN: Zero Hour. Shrimati Brinda Karat to speak *(Interruptions)...*

श्री दिग्विजय सिंह : सभापति जी, इन्होने जवाब नहीं दिया हैं ...(**व्यवधान**)...

श्री सभापति : अगर वे जवाब न दें, तो मैं थोड़ा ही दिलवाउंगा ...(**व्यवधान**)....

श्री ललित किशोर चतुर्वेदी : उन्होने स्वीकार कर लिया हैं, मौंन स्वीकृति लक्षंणं ...(**व्यवधान**)...

श्री सभापति : अब वह कर लिया हैं या नहीं किया हैं, यह इनको देखने का काम हैं ...(**व्यवधान**)...

श्री दिग्विजय सिंह : मंत्री जी, आपको कुछ नहीं कहना हैं ...(**व्यवधान**)...

SHRI C. RAMACHANDRAIAH: Sir, let the Government condemn it or accept it. Should we presume that your silence is the acceptance? *(Interruptions)* Should we presume that? *(Interruptions)*

श्री संतोष बागडोदिया : यह कोई तरीका नहीं होता हैं। आपके सामने बात हुई थी कि खाली ये बोलेंगे, इस तरह ही करना था ...(**व्यवधान**)... अपनी पार्टी के लोगों को तो चुप कराइए...(**व्यवधान**)...

SHRI C. RAMACHANDRAIAH: You are not part of the Government. ...*(Interruptions)*...

श्री सभापति : बैठ जाइए ....(**व्यवधान**)....

श्री दिग्विजय सिंह : सभापति जी, हमें आपका प्रोटेक्शन चाहिए। दो मंत्री यहां बैठे हैं, जिनका नाम लिया गया, एक का घोटाले में नाम लिया गया, दूसरे का कैबिनेट की सहमति पर नाम लिया गया, ये दोनो नहीं बोलेंगे, तो सदन में हम लोगों के बैठने का क्या मतलब हैं ....(**व्यवधान**)... यह प्रोटेक्शन आपको देना चाहिए ....(**व्यवधान**).... अमर सिंह जी ने आरोप लगाया हैं ....(**व्यवधान**)... यह जीरों ऑवर का सवाल नहीं हैं ...(**व्यवधान**).... जो आरोप इन्होनें लगाए हैं, वे गंभीर आरोप हैं ....(**व्यवधान**)....

श्री संतोष बागडोदिया : कौन बोलता है कि जवाब देना जरूरी हैं, चेयरमैन साहब जानते हैं। ....(**व्यवधान**)....

श्री दिग्विजय सिंह : बिल्कुल नहीं ...(**व्यवधान**)...

श्री संतोष बागडोदिया : मैं आपको रूल नहीं समझा रहा हूं ...(**व्यवधान**)...

श्री दिग्विजय सिंह : आपको रूल मालूम हैं, तो बताइए ....(**व्यवधान**)....

SHRI C. RAMACHANDRAIAH: What is the rule when you are selling away the country? When you are selling away the country you keep aside all the rules.

श्री रवि शंकर प्रसाद : सर, अभी जो बात कहीं गई हैं, वह बात हाउस की प्रॉपर्टी हैं, वह हाउस की proceeding में हैं, सरकार का काम हैं कि वह इस पर respond करें ...(**व्यवधान**)....

श्री सभापति : respond करेगी या नहीं करेगी, यह सरकार पर छोड़ दीजिए ...(**व्यवधान**)...

श्री रविं शंकर प्रसाद : यह बहुत सीरियस मैटर हैं ...(**व्यवधान**)....

SHRI SANTOSH BAGRODIA: He cannot force the Government. ...*(Interruptions)*...

SHRI C. RAMACHANDRAIAH: Sir, either it should give an explanation or else condemn it.

श्री दिग्विजय सिंह : अमर सिंह जी ने गम्भीर आरोप लगाए हैं ...(**व्यवधान**)...

श्री सभापति : मैंने कह दिया कि अगर सरकार कुछ कहना चाहे, तो कह सकती हैं ...(**व्यवधान**).... लेकिन सरकार नहीं कहना चाहे, तो मैं मजबूर नहीं कर सकता ...(**व्यवधान**)...

श्री दिग्विजय सिंह : सभापति जी, यह सरकार का मामला नहीं हैं ...(**व्यवधान**)... इन्होने दो मंत्रियों का नाम लेकर कहा हैं ...(**व्यवधान**)....

श्री सभापति : उन्होने नाम लेकर कहा होगा ....(**व्यवधान**)...

श्री प्यारे लाल खंडेलवाल (मध्य प्रदेश) **:** सभापति जी, आप निर्देश दे सकते हैं ...(**व्यवधान**)... आपको निर्देश देने का अधिकार हैं ....(**व्यवधान**)....

श्री सभापति :मैंने कह दिया कि अगर सरकार बोलना चाहे,तो मुझे आपत्ति नहीं होगी लेकिन अगर सरकार नहीं बोल रही हैं तो मैं उसे मजबूर नहीं कर सकता ...(**व्यवधान**)...

SHRI C. RAMACHANDRAIAH: Let them say that they are accepting it. *...(Interruptions)...*

SHRI MANOHAR JOSHI (Maharashtra): Sir, you can ask the Government to make a statement before the end of the day *...(Interruptions)...* You can ask the Government to make a statement *...(Interruptions)...* Sir, it is a serious allegation. If they cannot make a statement now, Sir, you can, definitely, ask them to make a statement during the day, at any time. *...(Interruptions)...*

SHRI SANTOSH BAGRODIA: He cannot force the Government to make a statement *...(Interruptions)...* गवर्नमेंट को फोर्स नहीं किया जा सकता ....(**व्यवधान**)...

SHRI MANOHAR JOSHI: Sir, if you ask them, the Government has to make a statement *...(Interruptions)...* Sir, you have a full right to ask the Government to make a statement because *...(Interruptions)...* Otherwise, we presume that this Government accepts the allegation *...(Interruptions)...*

श्री शहिद सिद्दिकी : वे यह बता दें कि कब जवाब देंगे ...(**व्यवधान**)...

†**شری شاہد صدیقی:** وہ یہ بتادیں کہ کب جواب دیں گے...مداخلت...

श्री सभापति : एक मिनट ....(**व्यवधान**).... माननीय सदस्य, आप बैठिए ...(**व्यवधान**).... देखिए, एलिगेशन लगाने का कायदा यह हैं कि पहले नोटिस दिया जाए ...(**व्यवधान**).... नोटिस

---

†[ ]Transliteration in Urdu Script.

की जानकारी मंत्री को हो, अगर उसके बाद वे जवाब नहीं दें, तो यह बात दूसरी हैं। लेकिन यहां कोई नोटिस तो नहीं दिया गया, वे बिना नोटिस के बोले है। इस स्थिति में मैं गवर्नमेंट को मजबूर नहीं कर सकता कि वह जवाब दे। ...(**व्यवधान**)....

SHRI MANOHAR JOSHI: Sir, it is not a technical matter. *...(Interruptions)...*

श्री अमर सिंह : सर, मैं बहुत विनम्रता से कहना चाहता हूं कि भले ही मैं नोटिस से नहीं बोला हूं, लेकिन आपकी इजाजत से और पूरे सदन के सदस्यों की सहमति से बोला हूं। इसलिए आपका निर्देश सब मानें, लेकिन अगर उत्तर मिल जाए, तो बढिया हैं, अगर न मिले, तो खामोशी ...(**व्यवधान**)....

श्री सभापति : ठीक हैं ...(**व्यवधान**)... आप बैठ जाइए ....(**व्यवधान**)...

श्रीमती सुषमा स्वराज (मध्य प्रदेश) **:** सभापति जी, अमर सिंह जी अपने वादे के मुताबिक बहुत शालीनता से बोले हैं, लेकिन जो बातें उन्होने कहीं हैं, वे सरकार के ऊपर बहुत गंभीर आरोप लगाती हैं। जब आरोप समर्थक दल से आते हैं, तो उनकी गंम्भीरता दुगनी हो जाती हैं। आपने यह कहा कि उनका नोटिस नहीं था, यह ठीक हैं, लेकिन वे आपकी अनुमति के साथ बोले ...(**व्यवधान**)....

श्री सभापति : अनुमति से बोले, लेकिन उन्होने मुझे भी नहीं बताया था कि ये आरोप लगाने वाले हैं।

श्रीमती सुषमा स्वराज : सभापति जी, जैसा कि मेरे दूसरे सहयोगियों ने कहा कि अब वे आरोप सदन की सम्पत्ति बन गए हैं। अब अगर उन आरोपों के बाद सरकार चुप रहती हैं, तो या तो मौनम् स्वीकृति लक्षणम् की तर्ज पर हम यह मानें कि सरकार उनको स्वीकार करती हैं ...(**व्यवधान**)... या सरकार खड़े होकर इसका खंडन करे ....(**व्यवधान**)...

श्री संतोष बागडोदिया : हाउस नियम कायदे से चलता हैं, हवा में नहीं चलता हैं ...(**व्यवधान**)...

श्रीमती सुषमा स्वराज : लेकिन यह सदन ....(**व्यवधान**)... की स्थिति में नहीं रह सकता ....(**व्यवधान**)... हम लोग हेल्पलेस स्पेक्टेटर्स बन कर नहीं रह सकते ...(**व्यवधान**).... हम लोग मूक दर्शन बन कर नहीं बैठ सकते। एक के बाद एक गम्भीर आरोप आए हैं, नाम लगा कर आए हैं। अगर वित्त मंत्री यहां बैठे हैं और बाल्को के शेयर्स में उनका नाम लेकर वे यह कह रहे हैं, यह ठीक हैं ...(**व्यवधान**)....

SHRI SANTOSH BAGRODIA: So what?

SHRIMATI SUSHMA SWARAJ: So what *...(Interruptions)...*

SHRI SANTOSH BAGRODIA: So what? हाउस नियम से चलता हे , हाउस आपकी भावनाओं से नही चलता है

SHRIMATI SUSHMA SWARAJ: What do you mean by 'so what"? *... (Interruptions)...* I am addressing the Chair. *...(Interruptions)...* I am addressing the Chair. *...(Interruptions)...* I am addressing the Chair. सर मेरा आपसे निवेदन हैं ....(**व्यवधान**)... सर, मेरा आपसे विनम्र निवेदन हैं ...(**व्यवधान**)... सर, मेरा आपसे ये विनम्र निवेदन हैं कि अगर आपको लगता हैं कि वे बिना नोटिस के बोले, इसलिए तत्काल उत्तर नहीं दिया जा सकता, यह सही हो सकता हैं ...(**व्यवधान**)...

SHRI JANARDHANA POOJARY (Karnataka): Sir, I am on a point of order. *...(Interruptions)...* Sir, I am on a point of order. *... (Interruptions)...* Sir, I am on a point of order. *...(Interruptions)...*

MR. CHAIRMAN: Let her complete.

श्रीमती सुषमा स्वराज : सभापति जी, मेरा आपसे यह विन्रम निवेदन हैं कि अगर आपको लगता हैं कि चूंकि वे बिना नोटिस के बोले, इसलिए तत्काल उत्तर नहीं दिया जा सकता, यह सही बात हो सकती हैं, तो आप कल का समय तय कर लें। तो आप कल का समय तय कर दें। अभी कल भी सेंशन हैं। आप यह कहें कि जो आरोप अमर सिंह जी ने लगाए हैं, सरकार के संबंधित मंत्री उस का उत्तर कल देंगे। ...(व्यवधान)... नटवर सिंह जी बैठे हैं, नटरवरसिंह जी से जवाब चाहिए, चिद्म्बरम जी बैठे हैं, चिद्म्बरम जी से जवाब चाहिए, संसदीय कार्य मंत्री बैठे हैं, जो बाकी आरोप लगे हैं, उसके लिए सरकार का जवाब चाहिए। यदि मैं आपकी यह बात मान लूं कि नोटिस नहीं था और बिना नोटिस के बोले। इसलिए आप का भी मालूम नहीं था कि क्या कहने वाले हैं, सरकार को मालूम नहीं था कि क्या कहने वाले हैं, तो यह मानते हुए मैं आप से कहूंगी कि आप कल का कोई समय तय कर दें, लेकिन जब तक सरकार का उत्तर नहीं आएगा, तब तक या तो हम मानकर चलेंगे कि ये आरोप सरकार ने स्वीकार कर लिए हैं। ...(**व्यवधान**)... जब तक खंडन, जब तक इनका विरोध सदन के अंदर नहीं होता यह बात बाहर जाएगी कि जो आरोप अमर सिंह जी ने लगाए हैं, वे आरोप सरकार ने स्वीकार कर लिए।

SHRI JANARDHANA POOJARY: Sir, I am on a point of order. *(Interruptions)...* Sir, I am on a point of order. *(Interruptions)...*

श्री सभापति : श्री पचौरी जी बोल रहे हैं, उन्हें बोलने दीजिए।

SHRI JANARDHANA POOJARY: He can reply after me. *(Interruptions)...*

श्री सभापति : वह ठीक हैं, आप पॉइंट ऑफ ऑर्डर रेज कर रहे हैं। ....(**व्यवधान**)... एक मिनट आप रूल्स की बात कर रहे हैं। मुझे मालूम हैं कि आप क्या कहना चाहते हैं। मैंने पहले ही स्पष्ट कर दिया कि ...(**व्यवधान**)...

SHRI JANARDHANA POOJARI: What I am saying is this. *(Interruptions)...* What is the intention behind their not obeying your order? *(Interruptions)...* That is also there. *(Interruptions)...* I got it. *(Interruptions)...* Please hear me, Sir. *(Interruptions)...*

SHRI SHAHID SIDDIQUI: We want to obey the order. *(Interruptions)...*

SHRI JANARDHANA POOJARY: Sir, please hear my point of order. *(Interruptions)...*

SHRI C. RAMACHANDRAIAH: The procedure can be dispensed with. *(Interruptions)...*

SHRI JANARDHANA POOJARY: Rule 238 says. *(Interruptions)...*

श्री विनय कटियार (उत्तर प्रदेश) **:** माननीय सभापति जी, क्या जीरों अवर में कोई पॉइंट ऑफ आर्डर उठा सकता हैं? अगर उठाता हैं तो यह गलत परंपरा पड़ जाएगी। हर वक्त जीरों अवर में सदस्य पॉइंट ऑफ आर्डर उठाएंगे। इसलिए आपको तय करना पड़ेगा। ....(**व्यवधान**)...

SHRI JANARDHANA POOJARY: That a Member while speaking shall not reflect upon the conduct of persons in high authority unless the discussion is based on a substantive motion *...(Interruptions)...* Now, there are two things. *...(Interruptions)...*

श्री सभापति : माननीय सदस्य मैंने कह दिया आप वही चीज रिपीट कर रहे हैं। जो मैंने कहा, वही रिपीट कर रहे हैं।

SHRI JANARDHANA POOJARY: Sir, the ruling that you have given is correct. *(Interruptions)...* You can read, Sir. *(Interruptions)...* You can read further, Sir. *(Interruptions)...*

श्री सभापति : एक मिनट जो मैंने कहा, उसे सुन दीजिए। ....(**व्यवधान**)...जो मैंने कहा, वही रिपीट कर रहे हैं।

SHRI JANARDHANA POOJARY: No. *{Interruptions)...* You have given your ruling *...(Interruptions)...*

श्री सभापति : पचौरी जी, आप बोलिए ...(**व्यवधान**).... पचौरी जी को बोलने दीजिए।

SHRI JANARDHANA POOJARY: Please, Sir. *(Interruptions)...* One minute, Sir. *(Interruptions)...*

श्री सभापति : मैंने पढ़ लिया। इस रूल को सभी मेंबर जानते हैं।

SHRI JANARDHANA POOJARY: Where is the substantive motion, Sir? *(Interruptions)...* Where is the motion *(Interruptions)...* Where is the notice? *(Interruptions)...*

श्री सभापति : मेरी बात सुनिए। ...(**व्यवधान**)... एक मिनट मेरी बात का जवाब दीजिए।

SHRI JANARDHANA POOJARY: You have permitted him. *(Interruptions)...* It is with the purpose *of ...(Interruptions)...* they are doing it. *(Interruptions)...*

MR. CHAIRMAN: Please hear me, Please hear me. वह जिस समय बोल रहे थे, उस समय आप ने पॉइंट ऑफ ऑर्डर क्यों रेज किया? ....(**व्यवधान**)... सब बोल लिए, उसके बाद पॉइंट ऑफ ऑर्डर रेज कर रहे हैं।I would not allow. No, I would notallow. Shri Pachouri.

श्री दिग्विजय सिंह : सभापति जी, मेरी बात सुन लीजिए....(**व्यवधान**)... अमर सिंह जी ने एक मंत्री विशेष के बारे में कहा ...(**व्यवधान**).... चिदम्बरम जी मौजूद हैं, चिदम्बरम जी का नाम लेकर कहा हैं और उन पर भ्रष्टाचार का आरोप लगाया हैं। ...(**व्यवधान**)... इसलिए उन को जवाब देना पड़ेगा, नहीं तो इस सदन में हम लोगों का कोई महत्व नहीं रहेगा। ...(**व्यवधान**)...

श्री सभापति : आप का महत्व बहुत हो गया हैं। ...(**व्यवधान**)...Shri Pachouri.

कार्मिक लोक शिकायत तथा पेंशन मंत्रालय में राज्य मंत्री और संसदीय कार्य मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री सुरेश पचौरी) **:** श्री चिदम्बरम बोल रहे हैं।

THE MINISTER OF FINANCE (SHRI P. CHIDAMBARAM): Sir, I didn't understand my good friend, Shri Amar Singh, as having made any personal allegations. In fact, the translation said that he was not making any personal allegations. *...(Interruptions)...*

SHRI AMAR SINGH: Yes, you are right.

SHRI P. CHIDAMBARAM: It is right. I did not understand that he was making any personal allegations.

SHRI AMAR SINGH: You are right. I didn't make.

SHRI P. CHIDAMBARAM: I don't say, knowing him and his knowing me... *(Interruptions)...*

MR. CHAIRMAN: He has also said that you are a good friend of him.

SHRI P. CHIDAMBARAM: Be that as it may, number one is Volcker. The Volcker Report is under investigation by the Enforcement Directorate and by the Justice Pathak Inquiry Committee.

SHRI SHAHID SIDDIQUI: How long will it take?

SHRI P. CHIDAMBARAM: Please listen. Under the rules of the House, a matter under investigation cannot be discussed. However, since he has raised it, let me say that the Enforcement Director has submitted two reports to the Justice Pathak Inquiry Committee. One more report on certain matters which have come to his knowledge in the last two weeks is under preparation. It is expected to be submitted in the next few days. And, Justice Pathak has assured me that he would succeed in his endeavour of submitting his report within the extended period of the three months. He does not expect to ask for a further extension.

No.2 on BALCO, let us recall the facts. Yes; I was a director of the holding company for two or three months when I was a private citizen. I was not a Member of Parliament then. Immediately upon my election as a Member of Parliament, I resigned from the Board of that company. The BALCO shares were sold by the NDA Government under a Shareholders' Agreement. That Shareholders'Agreement also contained a 'call option'. The purchaser exercised the 'call option' when the NDA Government was in office. When we assumed office, the Ministry of Mines found that there was a 'call option' on its table. The Ministry of Mines took time from the shareholders to consider the 'call option'. Thereafter, the Ministry of Mines took a decision based on legal advice that the evaluation should be done. After every successive evaluer being disqualified on the ground of some conflict of interest, the Ministry of Mines, advised by the Committee of Secretaries, decided upon an evaluer. The Evaluation Report is with the Ministry of Mines. As far as what the Minister of Mines

told me is concerned, no decision has been taken either by the Committee of Secretaries or by the Ministry of Mines. In any event, the final decision has to be taken by the Cabinet Committee on Economic Affairs. So, no decision has been taken either on the value or on the decision to sell the residual shares. As far as I am concerned, the Government knows, the Prime Minister knows, that I have recused myself from day one from BALCO.

SHRI AMAR SINGH: What about the two vouchers? The Congress voucher and Natwar Singh's voucher.

SHRI P. CHIDAMBARAM: I will answer; I have no difficulty in answering it.

Justice Pathak Inquiry Committee the hon. Members could kindly look at the terms of reference of the Committee refers to two oil contracts; one in which the Congress party was named as a beneficiary, and the other in which Shri Natwar Singh, Congress Party, was named as a beneficiary. Both are within the purview of Justice Pathak Inquiry Committee, and I expect Justice Pathak Committee to give its report on both the contracts referred to him for inquiry.

श्री सभापति : ठीक हैं। ...(**व्यवधान**)...

मानव संसाधन विकास मंत्री (श्री अर्जुन सिंह) **:** महोदय**:** ....(**व्यवधान**)...

श्री सभापति : आप पर तो कोई चार्ज नहीं था ....(**व्यवधान**)....

श्री अर्जुन सिंह : हमारे मित्र ने तो ....(**व्यवधान**)....

श्री सभापति : आप आज चार्ज नहीं था। ...(**व्यवधान**)....

श्री अर्जुन सिंह : मुझे बाल्को पर नहीं बोलना ....(**व्यवधान**).....

श्री सभापति : आप पर कोई चार्ज नहीं था। आप बैठ जाइए। ....(**व्यवधान**)...

श्री सुरेश पचौरी : सभापति जी, ...(**व्यवधान**)...

श्री सभापति : नहीं डिबेट इसके लिए ....(**व्यवधान**)... आप मेरी सुनिए ...(**व्यवधान**)...

श्री सुरेश पचौरी : उसमें यदि किसी पर भी डिबेट करना चाहें, करें ...(**व्यवधान**)...

श्री सभापति : एक मिनट। ....(व्यवधान)... मैं इसलिए कह रहा हूं कि उन पर पर्सनल चार्ज थे, इसलिए जवाब देने दिया।....(**व्यवधान**)...

श्री सुरेश पचौरी : पर्सनल हैं, तो मंत्री जी खंडे हुए हैं, सर। ...(**व्यवधान**)...

श्री सभापति : इन पर कोई पर्सनल चार्ज नहीं है।.....(**व्यवधान**)... इन पर कोई पर्सनल चार्ज नहीं हैं। ....(**व्यवधान**)....

SHRI TAPAN KUMAR SEN (West Bengal): Sir, I have a small query on this. This House was assured, during the debate on BALCO disinvestments, when the NDA Government was in office, that the whole thing would be examined by the CAG. Thereafter, five years have passed. I would request the hon. Finance Minister to assure the House by which time the CAG Report on the re-examination of BALCO will be completed.

श्री सभापति : सी.ए.जी. के बारे में ये नहीं कह सकते ...(**व्यवधान**)....

SHRI TAPAN KUMAR SEN: He made a reference to it.

श्री सभापति : नहीं,that is a different matter. Shrimati Brinda Karat.

angrape of Tribal Women of Manipur

SHRIMATI BRINDA KARAT (West Bengal): Sir, through you, I want to draw the attention of the House to a very grave incident which has taken place in two very remote villages of Manipur where approximately 25 women of the Kamar tribe have been gangraped by a group of 80 militants reportedly belonging to the UNLF and the KCP. This report was brought to the attention of the country by the National Commission for Women on 18th May. I think, one of the aspects is that although the incident had occurred in January, but because of the remoteness of the area, national attention was drawn to it only four months later in the month of May, when the delegation went. It is a matter of deep concern. The more shocking part of it is that today, in those villages the entire population of those two villages, has had to take shelter in Mizoram the entire area has been land-mined; their crops have been destroyed. The Government of Manipur set up an inquiry commission only three months later, in April. But when the NCW delegation went, they found that these women who had been gangraped, who were completely traumatised, had access at all to any kind of medical help. The House will be shocked to know that these women, who have fallen sick, also include five minor girls.